हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 29 जून 2026

दो बूंद जिंदगी की हर बार, पोलियो पर निर्णायक... 12

बहल में 25 एमएम बारिश, भिवानी में बूंदाबांदी से... 12

GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING
Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak
REGISTRATION OPEN
Session 2026-27
AC HOSTEL Facility Available
P.B. B.Sc. NURSING — 2 Years GNM Pass
GNM — 3 Years 12th Any Stream — No Fees for S.C. Students
ANM — 2 Years 12th Any Stream — No Fees for S.C. Students
B.Sc. NURSING — 4 Year | 10+2 (Medical)
Loharu Road, Charkhi Dadri M. 9812538777, 9034669933

खबर संक्षेप

मनीषा की मौत का खुलासा न होने के विरोध में बैठक

लोहारू। मृतका मनीषा मामले का सीबीआई और सरकार द्वारा दस महीने बाद भी खुलासा नहीं किए जाने से नाराज मृतका के पिता संजय कुमार ने 29 जून से भिवानी उपायुक्त कार्यालय के सामने धरना शुरू करने की चेतावनी दी थी तथा 29 जून से संजय कुमार भिवानी में अनशन शुरू करेंगे।

इससे पहले रविवार को गांव ढाणी लक्ष्मण में मनीषा के पिता संजय कुमार ने आसपास के ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों की बैठक बुलाई। बैठक में अनशन को लेकर चर्चा की। बैठक में भाकियू के प्रदेश महासचिव धर्मपाल, धर्मपाल मलिक, बलवान, राजकुमार, मेवासिंह आर्य, आजाद भूगंला, शम्भूराम, जयसिंह, विजेन्द्र, सुरेश, संजय, अन्तराम, महाबीर आदि मौजूद रहे।

अघोषित बिजली कटौती के विरोध में घेराव आज

भिवानी। जगमग योजना में भी अघोषित कटौती के खिलाफ गांव बीरन बिजली निगम के खिलाफ पूरी तरह से आंदोलित हो उठा है। करीब दो महीनों से भीषण गर्मी के बीच भयंकर बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों का सब्र का बांध आखिरकार टूट गया है। अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। आज पूरा गांव एकजुट होकर बड़ा विरोध प्रदर्शन करेगा, जिसमें क्षेत्र के सांसद, विधायक सहित प्रशासनिक अधिकारियों का घेराव किया जाएगा।

तीन गांवों के खेतों की सिंचाई प्रभावित, सैकड़ों किसान हुए लामबंद

विभाग ने माइनर से ईंटों की दीवार निकलवा कर सिंचाई की प्रभावित

ग्रामीणों ने लगाया अपनों को फायदा पहुंचाने का आरोप, जताई कड़ी नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। बवानीखेड़ा माइनर में मोगा संख्या 8 हजार पर निकाली गई दिवार। फोटो : हरिभूमि

सरकार व सिंचाई विभाग की नहर व माइनरों के अंतिम छोर पर पानी पहुंचाने के दावे कर रहा है,लेकिन हकीकत कुछ और है। अपनों को फायदा पहुंचाने या कोई अन्य कारण के चलते यह वाक्या बवानीखेड़ा माइनर में हुआ है। उक्त माइनर की मोगा संख्या 8 हजार के पास ईंटों की दीवार निकलवा दी। दीवार के बीच में एक नाका भी छोड़ दिया। ताकि माइनर में ज्यादा पानी का बहाव आए तो पानी आगे टेल की तरफ बहने लगे। अगर कम पानी आए तो मोगा संख्या 8 हजार तक ही रूका रहे और इस क्षेत्र में पड़ने वाले किसानों के खेतों को पूरा पानी मिलता रहे। सिंचाई विभाग के इस कारनामें की वजह से जाटू लोहारी, सुमड़ा खेड़ा व बलियाली के खेत बिना सिंचाई के रह गए है। दूसरी तरफ सिंचाई विभाग की इस हरकत के विरोध में तीनों गांवों के किसान लामबद्ध होने लगे है। किसानों ने इसी मसले को लेकर सोमवार को एक मीटिंग भी बुलाई है। उसी मीटिंग में माइनर में निकाली गई दीवार को हटाने के लिए आगे की रणनीति तय होगी। उल्लेखनीय है कि इस बार 21 जून को नहरी पानी पहुंचा था। पानी मांग की अपेक्षा काफी कम था। कभी सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में पानी आया तो कभी बंद ही रही। इसी दरम्यान सिंचाई विभाग ने बवानीखेड़ा माइनर की मोगा संख्या 8 हजार के पास एक ईंटों की दीवार निकलवा दी। उस दिवार के बीच में एक करीब दो से ढाई फुट चौड़ा नाका भी छोड़ दिया। इस दिवार में जो नाका बनाया गया। वह माइनर की तलहटी से करीब आधा फुट से ज्यादा ही ऊंचा होगा। अगर माइनर में एक फुट तक पानी बहे तो वह पानी आगे आने की बजाए मोगा संख्या 8 हजार के पास ही रूक जाएगा और इस मोरी में पूरा पानी चलता रहेगा। इस दीवार से आगे पानी की एक भी बूंद नहीं आएगी। इस मामले की गांव लोहारी जाटू, सुमड़ा खेड़ा व बलियाली के किसानों को जानकारी मिली तो किसानों ने उक्त दिवार(सीमेंटिड नाके) के फोटो आपस में शेयर किए। उसके बाद ही किसान लामबद्ध होने शुरू हो गए।

कुछ किसानों को फायदा पहुंचाने का आरोप

माना जा रहा है कि सिंचाई विभाग ने यह कदम उक्त इलाके के किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए किया है। चूंकि मोगा संख्या 8 हजार तक एक दो गांव के ही किसानों के खेत लगते है। इन किसानों को फायदा पहुंचाने के मकसद से इस तरह का कदम उठाया जाना लगता है। कायदे से कभी माइनर के बीच में दिवार या नाका नहीं बनाया जा सकता। खासकर उन माइनरों में ये नाका व दिवार नहीं निकाली जा सकती। जिन माइनरों के हैड पर शटर लगे होते है। कभी माइनर टूट जाए तो उस माइनर का पानी शटर को डाऊन करके रोका जा सकता है। बवानीखेड़ा माइनर के हैड पर शटर लगा हुआ है। शटर से पानी कम व ज्यादा किया जा सकता है। पर माइनर के मोगा संख्या 8000 पर दिवार निकालना समझ से परे है।

क्या कहते हैं एसडीओ

सिंचाई विभाग के एसडीओ राकेश कुमार ने बताया कि माइनर के जिस क्षेत्र में दिवार की आड लगवाई है। वह वहां के किसानों की मांग पर खिंचवाई गई है। उन किसानों का कहना था कि उनकी मोरी में पानी नहीं आता। अब पानी पहुंचने लगा है। माइनर की तली से आधा फुट ऊंची दिवार होने के बाद टेल पर पानी कम होने पर पूछे गए सवाल के जवाब में अधिकारी ने बताया कि आगे पानी की कमी नहीं रहेगी। दिवार के बीच में नाका छोड़ा हुआ है।

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा स्थित वीर शहीद गुलाब सिंह की 46वीं जन्म जयंती गौरव और सम्मान के साथ मनाते ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

बवानी खेड़ा में शहीद गुलाब सिंह की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा स्थित वीर शहीद गुलाब सिंह की 46वीं जन्म जयंती गौरव और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों और पूर्व सैनिकों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री विशेष रूप से मौजूद रहे। देश के लिए समारोह को संबोधित करते हुए नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री ने कहा कि शहीद गुलाब सिंह जैसे वीर सपूतों की बदौलत ही आज हमारा देश सुरक्षित है। सन 1980 में जन्मे शहीद गुलाब सिंह ने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए जो सर्वोच्च बलिदान दिया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शहीदों के जीवन से प्रेरणा लें और देश व समाज की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहें। इस गौरवमयी अवसर पर पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन और बवानी खेड़ा ब्लॉक के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उपस्थित लोगों ने शहीद गुलाब सिंह अमर रहे और भारत माता की जय के नारों से पूरे परिसर को गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन सुंदर अत्री और अन्य उपस्थित सहयोगियों ने शहीद की प्रतिमा को फूलों की माला पहनाई और देश के वीर जवानों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। इस मौके पर क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ता और प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे, उन्होंने शहीद परिवार के योगदान की सराहना की। नगर पालिका अभियंता सुनील कुमार,मंडी एसोसिएशन के प्रधान सुखबीर भाकर,अनिल अत्री, विजय वर्मा,कृष्ण कुमार,काली नंबरदार आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

शिविर में 100 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान और सात हुईं रमैणी शादियां

- सतलोक आश्रम में महासमागम के दौरान अनुयायियों ने दिया सामाजिक संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। शिविर में रक्तदान करते अनुयायी। **फोटो : हरिभूमि**

संत शिरोमणि कबीर साहेब के प्रकट दिवस पर कालुवास मोड स्थित सतलोक आश्रम में तीन दिवसीय महासमागम दूसरे दिन भी भक्ति, सेवा और समाज सुधार के भाव के साथ जारी रहा। इस मौके पर परमसंत गरीबदास महाराज द्वारा रचित अमर ग्रंथ साहेब की अमृतमयी वाणियों के अखंड पाठ का आयोजन किया। आश्रम प्रबंधन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अखंड पाठ को श्रवण कर अपने जीवन को धन्य बनाएं। सतलोक आश्रम भिवानी की सेवा समिति एवं जिला को-ऑर्डिनेटर्स ने बताया कि रविवार को दूसरे दिन मानव सेवा को सर्वोपरि मानते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ 100 से अधिक यूनिट रक्तदान किया। वहीं समाज से दहेज जैसी कुप्रथा को जड़ से खत्म करने के संकल्प के साथ संत रामपाल महाराज की प्रेरणा से बिना किसी दिखावे और बिना दान-दहेज के सात जोड़ों की शादियां (रमैणी) संपन्न करवाई गईं। सतलोक आश्रम भिवानी की सेवा समिति के सदस्यों और भिवानी जिले के समन्वयकों ने बताया कि संत रामपाल महाराज के मार्गदर्शन में अनेक समाज सुधार के कार्य लगातार किए जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य समाज को व्यसनमुक्त, दहेजमुक्त और पाखंडमुक्त बनाकर स्वस्थ समाज का निर्माण करना है।

10 लाख चोरी करने की आरोपित महिला काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

थाना शहर पुलिस भिवानी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, घंटाघर शाखा से 10 लाख की चोरी के मामले में मुख्य आरोपित महिला को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। मामले के संबंध में शिकायतकर्ता नरेश निवासी भिवानी, जो एक कैश मैनेजमेंट कंपनी में कार्यरत हैं, ने थाना शहर भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 16 दिसम्बर को वह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, घंटाघर शाखा में 30 लाख नकद जमा करवाने के लिए पहुंचे थे। जब वह एक बैग में रखे 20 लाख बैंक में जमा करवा रहे थे, उसी दौरान एक महिला दूसरे बैग में रखे 10 लाख नकद चोरी कर मौके से फरार हो गई। शिकायत के आधार पर थाना शहर भिवानी में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

जांच के दौरान थाना शहर भिवानी के मुख्य सिपाही पवन कुमार ने अपनी टीम के साथ प्रभावी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित महिला को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार महिला की पहचान गोमती पत्नी सुमेर, निवासी कड़िया, जिला राजगढ़ (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व पुलिस टीम इस मामले में आरोपित महिला की लड़की को गिरफ्तार कर चुकी है, जिससे 9,15,000 की नकदी बरामद की गई थी।

जेसीआई भिवानी स्टार ने चलाया 7 डेज गुड हैबिट्स चैलेंज अभियान

- बच्चों का सामाजिक विकास करना है 7 डेज गुड हैबिट्स चैलेंज का उद्देश्य : शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। पक्षियों के लिए पानी के सकोरे भरकर रखते बच्चे। **फोटो : हरिभूमि**

डिजिटल युग में बच्चों का अधिकांश समय मोबाइल स्क्रीन, सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग और ऑनलाइन गेम्स में बीतता है, जिसके चलते जेसीआई भिवानी स्टार ने बच्चों को सही दिशा देने एवं उनमें अच्छे संस्कारों का बीजारोपण करने के लिए बेहद सराहनीय और अनूठी मुहिम चलाई, जिसके तहत सात डेज-सात गुड हैबिट्स चैलेंज का आयोजन किया। जेसीआई के मीडिया प्रभारी जेसी कपिल शर्मा ने बताया कि स्कूली छुट्टियां विकास के लिए हैं, केवल स्क्रॉल करने के लिए नहीं के मुख्य संदेश के साथ शुरू किए अभियान का उद्देश्य बच्चों को हर दिन बेहतर बनने के लिए प्रेरित करना रहा। उन्होंने बताया कि यह चुनौती 30 जून तक है। इस चैलेंज के तहत बच्चों ने विभिन्न सामाजिक कार्य किए, जिनमें विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करना, पौधों में पानी देना सहित अनेक कार्य किए। जेजे विंग की प्रेसिडेंट पारुल गोयल ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और गर्मियों की छुट्टियां उनके भीतर रचनात्मकता एवं सकारात्मक आदतों को विकसित करने का सबसे उत्तम समय होती हैं। इसी उद्देश्य के साथ जून माह में ये कार्यक्रम शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चे स्क्रीन के जाल में फंसते जा रहे हैं, जिससे उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है।

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा मंडल अध्यक्ष प्रदीप राणा के निवास स्थान पर हरियाणा संगठन महामंत्री फनीन्द्रनाथ शर्मा, जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, विधायक कपूर सिंह बाल्मीकि व अन्य। फोटो : हरिभूमि

संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा मंडल अध्यक्ष ने किया स्वागत

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा मंडल अध्यक्ष प्रदीप राणा के निवास स्थान पर हरियाणा संगठन महामंत्री फनीन्द्रनाथ शर्मा, जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक, विधायक कपूर सिंह बाल्मीकि, भिवानी जिला प्रभारी बहन रेणु डाबला, नपा प्रधान सुंदर अत्री, विजय कौशिक, जगदंबा मेहता, रघुवीर गुर्जर, सूर्य प्रताप, सुनीता शर्मा, पवन मेहता, रिंकू पार्षद,जोगेन्द्र बिड्डु ने शिरकत की और पार्टी को मजबूत बनाने की योजना बनाई। हरियाणा संगठन महामंत्री फनीन्द्रनाथ शर्मा ने बताया कि भाजपा सरकार विकास कार्यों को लेकर सख्त प्रणाली अपनाए हुए है और प्रदेश ही नही पूरे भारत वर्ष में विकास की गंगा बहाई जा रही है। वहीं प्रदीप राणा ने बताया कि विधायक कपूर वाल्मीकि, नपा प्रधान सुंदर अत्री विकास को लेकर नए आयाम स्थापित किए हुए हैं।

नाम-सुमिरन ही आत्मा का वास्तविक धन, रहन-सहन एवं आचरण रखें शुद्धः परमसंत

सत्संग से ही मनुष्य जीवन को मिलती सही दिशाः कंवर साहेब

राधा स्वामी सत्संग मुख्यालय में आयोजित विशाल सत्संग में उमड़ा भक्तों का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। दिनोद के राधा स्वामी मुख्यालय में सत्संग में प्रवचन देते परमसंत हुजूर कंवर साहेब महाराज। फोटो : हरिभूमि

दिनोद के राधा स्वामी सत्संग मुख्यालय में आयोजित विशाल सत्संग में परमसंत हुजूर कंवर साहेब महाराज ने एक माह के विदेश सत्संग प्रवास से लौटने के बाद साध-संगत को संबोधित किया और कहा कि सत्संग वह दिव्य पाठशाला है, जहां प्रत्येक क्षण जीवन जीने की नई शिक्षा मिलती है। मनुष्य जीवन में घटने वाली घटनाओं के परिणाम तो देखता है, लेकिन उनके कारणों पर विचार नहीं करता। हम वर्तमान पल को जीते हैं, पर अगले ही पल से अनजान रहते हैं। एक क्षण पूरे जीवन की दिशा बदल सकता है, फिर भी मनुष्य कई जन्मों की योजनाएं और संग्रह करने में लगा रहता है। ये भी निश्चित नहीं कि हाथ से तोड़ा हुआ निवाला मुंह तक पहुंचेगा या फिर नहीं।

परमसंत कंवर साहेब ने कहा कि संगत का प्रभाव मनुष्य के जीवन को बना भी सकता है और बिगाड़ भी सकता है। रामायण इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिस रामराज्य की आज भी चर्चा होती है, उसकी नींव सत्य, प्रेम और श्रेष्ठ संगति पर थी। भगवान श्रीराम के वनवास के बाद चौदह वर्षों तक अयोध्या में द्वीप नहीं जले, लेकिन एक व्यक्ति के दूषित विचारों ने पूरे राज्य का वातावरण बदल दिया। वहीं लंका जैसे राक्षसी वातावरण में भी विभीषण प्रभु-भक्ति और सत्य पर अडिग रहे, जिससे स्पष्ट है कि पवित्र विचारों वाला व्यक्ति बुरे वातावरण में भी अपने संस्कार नहीं छोड़ता, जबकि अपवित्र विचारों वाला व्यक्ति सत्संग में बैठकर भी नहीं बदलता। हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि मन में एक समय में या तो भक्ति, प्रेम, सेवा और सत्संग बस सकते हैं या फिर बुराइयां, इसलिए हृदय को पवित्र बनाना आवश्यक है। नाम की कमाई तभी फल देती है, जब रहनी-सहनी और आचरण शुद्ध हो। उन्होंने कहा कि जैसे चंदन के वृक्ष के पास खड़े अन्य वृक्ष भी उसकी सुगंध ग्रहण कर लेते हैं, उसी प्रकार संत-महात्माओं की संगति से सामान्य व्यक्ति के जीवन में भी सद्गुणों का विकास होने लगता है। उन्होंने कहा कि जिसका दृष्टिकोण नहीं बदलता, उसका कल्याण भी कठिन है, नाम में अपार शक्ति है, साधक जिस भावना के साथ नाम-सुमिरन करता है, उसी भावना की वृद्धि उसके जीवन में होती है।

मनमुख नहीं कर सकता कभी सच्ची भक्ति

कंवर साहेब ने कहा कि मन में प्रेम, सेवा और सत्य का भाव होगा तो नाम उसकी आध्यात्मिक उन्नति का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि मनमुख कभी सच्ची भक्ति नहीं कर सकता, भक्ति केवल गुरुमुख ही कर सकता है। मनमुख अपने मन और विषय-वासनाओं के पीछे चलता है, जबकि गुरुमुख गुरू की आज्ञा को जीवन का आधार बनाता है। सद्गुरू ही जीव को अज्ञान से निकालकर सत्य के प्रकाश तक पहुंचाते हैं। गुरू की कृपा एवं नाम-सुमिरन से ही जीवन का वास्तविक परिवर्तन संभव है। प्रवचन के समापन में उन्होंने कहा कि मनुष्य सत्य का व्यापार करने आया था, लेकिन विषय-वासनाओं में उलझकर अपने अमूल्य श्वास व्यर्थ गवां रहा है। परमात्मा से मिली अनमोल पूंजी को नाम-सुमिरन, सेवा, सत्संग एवं गुरू आज्ञा के पालन में लगाकर ही मानव जीवन को सफल बनाया जा सकता है।

साहित्य

जुम्मन जब हज करने गए थे, तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है।
- मुंशी प्रेमचंद

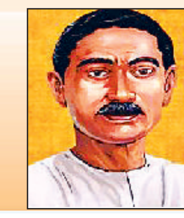

कहानी

आशा खत्री 'लता'

मेरा बच्चा कहां है

अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी।

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे।

मैं रसोई में व्यस्त थी कि पड़ोस में रहने वाली मधु का फोन आया-

"दीदी जी, ये छोटा पिलूरा गाड़ी के टायर से थोड़ा चोटिल हो गया है। कृपया आप मुझे पशु पीड़ित संघ का मोबाइल नंबर दे दीजिए।"

"ओह! अरे ये कैसे हो गया? अभी देती हूं।"

मैंने तुरन्त सम्बन्धित नम्बर उसे वाट्सऐप कर दिया। मधु की आवाज से ही पता चल रहा था कि वह बहुत परेशान है। ऐसे किसी भी घटनाक्रम पर वह सबसे पहले और सबसे अधिक बेचैन होती है। अतः मैं पिल्ले और मधु दोनों की अवस्था का ध्यान करते हुए तुरन्त बाहर भागी। वहां पहुंचकर मैंने देखा कि गली में खेलने वाले लगभग चार महीने के श्वान-शावकों में से अन्तिम बचा हुआ भूरू अचेत पड़ा है। हमने उसे सचेत करने की कोशिशें की। कुछ प्रयास के बाद उसने आंखें खोली तो मैंने उसे प्यार से दुलारते हुए उठने को प्रेरित किया। दरअसल, यह पिलूरा हमारे पालतू शित्जु ओकू का दोस्त बन गया था। सबके मना करने के बावजूद मैं उन दोनों को साथ खेलने देती थी। ओकू सवा साल का हो गया था। उसकी नस्ल के कुत्तों का अधिकतम कद उसने पा लिया था फिर भी वह उस चार माह के बच्चे से छोटा दिखता था। वे दोनों जब खिलारी करते तो मेरे मन को ओकू की प्रसन्नता देख सन्तोष होता। इसी कारण वह अन्य पिलूरों से अधिक प्रिय हो गया। सुबह-शाम रोटी डालते हुए मैं उसका विशेष ध्यान रखती। इस समय वही भूरू मरणासन्न अवस्था में सामने था। गाड़ी का टायर उसके ऊपर से गुजर गया प्रतीत हो रहा था। हालांकि खून वगैरह नहीं निकला था, परन्तु पिछली दोनों टांगें निष्प्राण दिख रही थी।

मधु उसके लिए पानी लाई। उसने पीने की कोशिश भी नहीं की। उसकी मां, पिता और दूसरे साथी उसे देखने आये और वापस लौट गए। जैसे किसी घर में कुछ हुआ देखकर पड़ोसी झांककर निकल जाते हैं। इस बीच मैंने पशु पीड़ित संघ को फोन कर दिया। जगह बताई तो उसने अभी पहुंचने का आश्वासन दिया। पिल्ला बहुत प्रेरित करने पर उठने का प्रयास करने लगा। उसकी अगली दोनों टांगें सही थी, परन्तु पिछली टांगें मात्र घिसट रही थी, वह थोड़ा सरककर अंततः बैठ गया। लगभग दस मिनट में कुत्ता उठाने वाली गाड़ी आ गयी। वह एक छोटी जालीदार गाड़ी थी। उसमें से जो व्यक्ति उतरा, उसे देखकर भूरू दर्द में होने के बावजूद पास ही खड़ी एक गाड़ी के नीचे सरक गया। तब तक उसके अन्य साथी भी वहां एकत्रित हो गए और जोर-जोर से भौंकने लगे। जैसे उन्हें उसके आने के तात्पर्य का आभास हो गया हो। गाड़ी वाले ने रस्सी बन्धा हुआ एक लोहे का डंडा जो आगे से मुड़ा हुआ था, निकाला और उसकी मदद से घायल भूरू को कार के नीचे से बाहर खींच गाड़ी में डाला। उसके साथियों ने विरोधस्वरूप भौंकना और तेज कर दिया। ज्ञात होते हुए भी हमने अनुरोध किया कि इसके ठीक हो जाने के बाद इसे यहीं छोड़ जाना भइया। कुछ उसके प्रति स्नेह, चोट लगने की आत्मग्लानि और उसकी मां की बेचैनी देखकर हमारा ऐसा कहना स्वाभाविक ही था।

मैंने उसे कह दिया था कि मैं कल सुबह इसे देखने आऊंगी। अतः इसका टैग वगैरह ठीक से लगा देना। गाड़ी आने से पहले मैंने उसकी छोटी सी वीडियो बना ली थी। गाड़ी वाला दरवाजा बंद कर चालक शीट पर आ गया। गाड़ी चल दी तो गली के कुत्ते पीछे दौड़ पड़े। मैं उन मूक जीवों की असहायता पर नम आंखों से मन परिवर्तन के लिए घर के बाहर स्थित छोटे से बगीचे का जालीदार किवाड़ खोलकर पेड़-पौधों को देखने लगी। तभी भूरू की मां तेजी से आयी और गमलों के आस-पास खोजने लगी। अपने बच्चे को न पाकर वह विचलित सी बाहर भाग गई। शायद अब भी एक मां की तरह उसे आस थी कि उसका बच्चा यहीं-कहीं मिलेगा। उस लाचार मां की बेचैनी मेरे हृदय को बेध रही थी। मेरी दिनचर्या है कि मैं नित्य प्रातः छः बजे पड़ोस में रहने वाली अनुपमा के साथ पशु पीड़ित शाला में जाती हूं। हम वहां गायों को रोटी देने के अतिरिक्त चारा खिलाकर पानी पिलाते हैं। हम उक्त संस्थान के उस हिस्से में जाते हैं, जहां अत्यधिक पीड़ित, बीमार, घायल पशु रखे जाते हैं। यहां अधिकांश गायें, बछड़े-बछड़ी और नन्दी आदि के साथ एक कटड़ा, दो गधे, दो बकरी तो काफी दिनों से हैं, कुछ नील गाय के बच्चे भी हैं। पशु स्वस्थ हो जाये तो दूसरे परिसर में भेज दिए जाते हैं। यह नहर के साथ बना हुआ है और नहर की दूसरी पटरी के निकट कुतों, बन्दरों व पक्षियों का आश्रयस्थल है। इसमें अनेक पक्षी, बन्दर, खरगोश तथा सैकड़ों कुत्ते हैं। यह सब एक संकल्पी, दयावान व्यक्तित्व द्वारा मूक जीवों के लिए बनाया हुआ आश्रयस्थल है। मैंने रास्ते में इस घटना का पूरा विवरण अनुपमा को बताया। अपने दैनिक कार्य से निपटकर जब हम बाहर आये तो मैंने भूरू को देखने की बात कही। वह सहर्ष तैयार हो गई। नहर पर पुल निर्माण के चलते हम जानकारी के अभाव में दूसरे पुल से घूमते हुए काफी लम्बे रस्ते से श्वान-शाला पहुंचे। वहां अपने कार्य में तल्लीन कुर्सी-मेज पर बैठे युवक से मैंने भूरू के बारे में बताते हुए उसकी हालत की जानकारी चाही। हमने देखा कि उसके मोबाइल में कल की ही तारीख में ऐसे कई कुत्तों की वीडियो थी। उसने जिस कुत्ते का चित्र दिखाया, वह भूरू से कुछ भिन्न था। ऐसे में मैंने उसकी जो वीडियो बनाई थी, वह काम आयी। मैंने उसे दिखाया तो उसने बताया कि इसका टैग नम्बर 45702 है।

हमारे आग्रह पर वह हमें उससे मिलवाने ले चला। गलियारे के दोनों ओर जालीदार बाड़ लगे परिसर में कुत्ते घूम रहे या लेटे-बैठे थे। हमें उनमें भुरू कहीं नहीं दिखाई दिया। गलियारा समाप्त होने के बाद खुले में कुछ कुत्तों को पसरे देखा।

"अरे, ये रहा हमारा भूरू" मैंने एक की ओर संकेत कर कहा।

"यह कुछ बड़ा नहीं है क्या?" अनुपमा ने शंका जताई।

"नहीं अनुपमा, यही भूरू ही है, लेटा हुआ लम्बा लग रहा है।" मैंने उसकी शंका दूर की।

हमारी बातचीत के दौरान ही उस युवक ने टैग जांचा तो वह भूरू ही था। उसमें कोई हरकत न देख मैं बोल पड़ी-

"ये ऐसे निश्चेष्ट क्यों पड़ा है ?"

"यह जिन्दा नहीं है, मैम।"

"परन्तु मुझे तो यह सोया हुआ लग रहा है ?"

"सॉरी मैम, हम इसे नहीं बचा पाये। आन्तरिक चोट बहुत गहरी थी।" भूरू नहीं रहा, यह जानकर मन अत्यधिक व्यथित हो उठा। उसकी निष्प्राण देह के समक्ष अपनी संवेदनाएं और पछतावा व्यक्त कर मैंने उसकी फोटो ली। अभी कुछ महीने पहले भी हमारी गली का ही एक कुत्ता जो भूरू से पहले इसकी मां से जन्मा था, डिस्टेम्पर की बीमारी से चल बसा था। वह शायद सात-आठ माह का रहा होगा। वह भी ओकू का बहुत प्यारा दोस्त था। वे दोनों गेट पर बैठकर जैसे बतियाते थे, खेलते थे।

मैंने उसको अंतिम बार जब पिंजरे में लेटे देखा था, वही कारुणिक दृश्य स्मरण हो आया। तभी एक युवक को बुरी तरह से घायल कुत्ते की मरहमपट्टी करते देख मन को कुछ चैन मिला। कुत्ते की मौत बहुत कष्टदायी होती है। परन्तु इन सेवकों के सहारे ये स्वस्थ होते हैं या सम्भाल के साथ जीवन पूरा करते हैं। हम लौट रहे थे तो देखा कि हम छोटे रास्ते पर ध्यान न देते हुए बिना किसी से पूछे लगभग एक किलोमीटर का रास्ता तय करके आए थे। क्योंकि भूरू से मिलने की उत्कट चाह में इस ओर ध्यान ही नहीं गया। वापसी पर मैं और अनुपमा दुखी मन से भूरू और उसके परिवार की बातें करते रहे। हमें लग रहा था कि बढ़ते वाहन मानव सहित अन्य प्राणियों की भी मौत या अपंगता का कारण बनते जा रहे हैं। घर पहुंची तो एक विवश मां की ममता ने मेरी हृदयतन्त्री को झिंझोड़कर रख दिया।

कल दोपहर से बूंदाबांदी हो रही थी। ऐसे में गली के कुत्ते भी प्रातः नजर नहीं आये तो मैं उनकी रोटी की प्लेट अंदर रख गयी। गोशाला से आने के बाद भी वे नहीं दिखे। अब भोंकने की आवाज सुनकर बाहर निकली तो कुछ दूर भूरू की मां और उसकी साथिन दिखाई दी। पुकारा तो दोनों दौड़ी आई। मैंने उनके सामने दही लगे रोटी के टुकड़े रखे। बड़ी ने तुरंत खाने शुरू कर दिए, परन्तु भूरू की मां ने उनकी ओर देखा भी नहीं। वह मुझे चकित करते हुए घर में घुसी और आंगन में किसी को खोजने लगी और न पाकर उदास, मायूस मेरी ओर मुंह उठाकर खड़ी हो गई, जैसे मुझसे पूछ रही हो-

'मेरा बच्चा कहां है?... कल तुमने भिजवाया था न ? तो आज उसे लेकर क्यों नहीं आई?'

मैं उसकी निरीह आंखों का सामना नहीं कर पा रही थी। तभी वह मेरे पांवों को सूंघने लगी। उसकी आंखों में दर्द ही दर्द था। होता भी क्यों न! चार बच्चों में से अकेला भूरू ही तो बचा था, वह भी इन्सानों की बेपरवाही से अकाल कालकवलित हो गया। मैंने कुछ देर उसका सिर सहलाया, फिर उदास मन और बहते आंसुओं के साथ दरवाजा खुला छोड़ अंदर चल दी।

पुस्तक समीक्षा

'नन्ही कहानियां बड़े काम' सराहनीय प्रयास

समीक्षक

डॉ मधुकांत

डॉ. अंजना गर्ग द्वारा लिखित पुस्तक 'नन्ही कहानियां बड़े काम' बाल साहित्य के क्षेत्र में एक सराहनीय प्रयास है। यह पुस्तक केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि बच्चों के कोमल मन में नैतिक मूल्यों और संस्कारों के बीज बोने का एक सशक्त माध्यम है। लेखिका ने अपने अनुभवों को कहानियों के रूप में पिरोया है, जो उनकी संवेदनशीलता और बच्चों के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है। पुस्तक की शुरुआत एक भावुक भूमिका से होती है, जहां लेखिका स्पष्ट करती हैं कि बचपन केवल एक उम्र नहीं, बल्कि मन का एक संसार है। उन्होंने अपनी मां से सुनी कहानियों और बच्चों के साथ बिताए वक्त को अपनी प्रेरणा बताया है। पुस्तक में कुल 15 कहानियां संकलित हैं, जिनमें 'होली की मिठास', 'काकी की बकरी', 'मेहनती चिड़िया' और 'सच्ची दोस्त' जैसे शीर्षक शामिल हैं। ये कहानियां रोजमर्रा की घटनाओं से जुड़ी हैं, जिससे बच्चे आसानी से जुड़ाव महसूस कर पाते हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रथम कहानी 'होली की मिठास' भाई-बहन के बीच के मनमुटाव और फिर सुलह की एक बेहद प्यारी कहानी है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे छोटे बच्चों से अनजाने में गलती हो जाती है और फिर वे अपनी मासूमियत से उस गलती को सुधार कर बड़ों का दिल जीत लेते हैं। यह कहानी बच्चों को माफी माँगने और मिलजुल कर त्योहार मनाने की प्रेरणा देती है। इसी तरह अन्य कहानियां भी परोपकार, त्याग, लालच से बचाव और मेहनत जैसे महत्वपूर्ण जीवन मूल्यों को सरल भाषा में समझाती हैं। पुस्तक की भाषा अत्यंत सरल, सुबोध और प्रवाहमय है। छोटे वाक्यों का प्रयोग किया गया है ताकि बच्चे स्वयं भी इसे पढ़ सकें और समझ सकें। कहानियों का परिवेश भारतीय है, जो बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ता है। पुस्तक का आकर्षक आवरण और भीतर दिए गए श्वेत-श्याम चित्र कहानियों को जीवंत बनाते हैं। चित्र बच्चों की कल्पनाशीलता को विस्तार देते हैं और उन्हें कहानी के पात्रों के करीब ले जाते हैं। कौशिक पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का मुद्रण साफ-सुथरा है। 'नन्ही कहानियाँ बड़े काम' अपने नाम को सार्थक करती है—ये कहानियाँ भले ही नन्ही और संक्षिप्त हैं, लेकिन इनका प्रभाव बच्चों के चरित्र निर्माण में बहुत बड़ा और दूरगामी सिद्ध हो सकता है। यह पुस्तक विशेष रूप से प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है। यह पुस्तक हर उस घर और पुस्तकालय का हिस्सा होनी चाहिए जहाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जाती है। यह नन्हे मन को बड़े सपने देखने की प्रेरणा देने वाली एक उत्कृष्ट कृति है।

डॉ. अंजना गर्ग
लेखिका

कवि कॉर्नर

कविता | सुधीर ढांडा

छोटी-छोटी बातें

छोटी-छोटी बातों को लेकर रिश्ते टूट जाते हैं,
ये कैसी हवा चली पल में परिवार बिखर जाते हैं।

जरा सी भी सुनता नहीं कोई एक दूसरे की अब,
माँ बाप कुछ कह दे पल मे बच्चे रूठ जाते हैं।

हँसी मजाक करना भी छोड़ गए एक दूसरे से लोग
किसी से मजाक कर लिया तो लोग दुश्मन बन जाते हैं।

भाई से भाई इतना हो गया हैं दूर जैसे जानते ही नहीं
जमीं के छोटे टुकड़े को लेकर आपस में हो खून जाते हैं।

सोच आखिर कैसे बचेंगे ये आपसी रिश्ते सुधीर,
टूटते रिश्ते देखकर लिखने को हो मजबूर जाते हैं।

कविता | मनीषा मंजरी

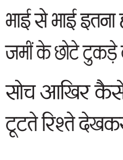

दर्द की निरंतरता

ठहरना मुझको आता नहीं,
बहाव साथ ले जाता नहीं,
लहरें टकराती हैं मुझसे,
पर सागर पास बुलाता नहीं।

सूरज तो सजता है हर दिन क्षितिज पर,
लेकिन अंधेरों से मेरे लड़ पाता नहीं,
एक दीया चौखट पर जलाऊं भी कैसे,
कि आँधियों को मेरी वो भाता नहीं।

मोती उम्मीदों के मिलते हैं बहुत,
पर वो धागा चाहतों को बुन पाता नहीं,
खफा हो जाऊं अतीत से अब मैं,
पर पल आज का मुझको लुभाता नहीं।

शहर बारिश में डूबा पड़ा है, बस बादल है
की आँखों तक मेरी पहुँच पाता नहीं,
कहीं दूर एक बंजर भूमि खड़ी है,
भावनाओं का द्वन्द अब जिसे रुलाता नहीं।

एक धुंआ है जिसमे सबकुछ छुपा है,
और एक सच है जो कोई जान पाता नहीं,
कभी देख पाए खुद की गलती ये इंसा,
ऐसा शीशा किसी को नजर आता नहीं।

जिसे वीरानों की तालाब हो, महफिलों का
शोर उससे सहन हो पाता नहीं,
एक रास्ता है जिस पर साथ चलते तो सब
हैं, पर जो गिरे तो हाथ को बढ़ाता नहीं।

कहानी वो दिलचस्प बहुत थी कि,
वो किरदार खुद को अब बचाता नहीं,
दर्द की निरंतरता हीं ऐसी थी, कि जख्म
उसका कभी पूरा भर पाता नहीं।

देश का भविष्य मोबाइल की गिरफ्त में

बचपन | आसिम अनमोल

बच्चों की दुनिया कितनी मासूम हुआ करती थी। बच्चों को खुद नहीं पता होता था कि वो कब सोएंगे कब जागेंगे। क्या खाएंगे क्या पिएंगे। कितना चुप रहेंगे और कितना बोलेंगे। अपनी रूचि के अनुसार कहां घूमने जाएंगे और कहां नहीं। यह सब देवता समान माता पिता ही तय करते थे। माता पिता की हर एक आज्ञा का पालन बच्चों के द्वारा पूरी सहजता पूरे सम्मान से ख़ुशी ख़ुशी किया जाता था। आज के मशीनी युग में बच्चों की दुनियां को लेकर बच्चों की प्रायं घट रही हर गतिविधियों का हर दृश्य उल्टा-पुल्टा ही देखने को मिल रहा है। इसके पीछे अपने भविष्य को दांव पर लगाते बच्चों का मोबाइल की दुनियां में निरंतर चिपके रहना अपने आपमें बहुत ही दु:खद है।

बच्चे जिनका कोमल मन यह समझने में सक्षम ही नहीं है कि जिस डिजिटल दुनियां में वो खोए हुए हैं ,वो सारी वर्चुअल व्यवस्था ही बच्चों की सोचने-समझने की सलाहियत और मानसिकता को पूरी तरह तहस नहस कर रही है। बच्चों की नाज़ुक मानसिकता पर जब इस बित्ते भर के मोबाइल का सुनियोजित तरीके से गलत प्रभाव पड़ता है ,तो बच्चे यह सोचने में पूरी तरह नाकाम हो जाते हैं कि उनके भविष्य के साथ ऐसा खिलवाड़ हो सकता है जिसकी भरपाई बरसों बरस तक नहीं की जा सकती। बच्चों के जीवन को पूरी तरह हाइजेक कर रहा मोबाइल अब अपनी मर्ज़ी से बच्चों को बिगाड़ने पर आमादा है। इसी कारण बच्चें भी पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगा पा रहे हैं ,और बच्चों की शिक्षा बुरी तरह बाधित हो रही है।

सर्वे बताते हैं कि आधुनिकता में खोए हुए आज के आधुनिक बच्चे घरेलू खेलों से दूर होते जा रहे हैं। जो बच्चे पहले प्ले ग्राउंड में खेलने जाते थे। लूडो ,कैरम , आइस पास , इंडोर गेम में दिलचस्पी लेते थे। आज वो स्मार्ट फ़ोन से चिपके रहते हैं। माता-पिता की ज़रूरी आवाज़े भी उनके कानों को बुरी लगती हैं। मोबाइल के अंधे प्रेम के आगे बच्चे अपने माता-पिता का खुलेआम अनादर कर रहे हैं। बच्चों को अपने आसपास हो रही क्रिया कलाप से भी कोई मतलब नहीं रहता। आजकल के बच्चे स्क्रीन स्क्रॉल के एडिक्ट होते जा रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स यानी छोटे-छोटे तकनीकी उपकरण ने हर उम्र के लोंगो की जिंदगी तबाह कर दी है। इसीलिए बच्चों के अंदर तनाव, चिंता, चिड़चिड़ापन और अवसाद बच्चों के बिहेवियर में साफ़ दिख रहा है। आज के बच्चे इतने स्क्रीन डोमिनेटेड लाइफ स्टाइल के गुलाम होते जा रहे हैं कि वे अलग तरीक़े से कुछ कम्युनिकेट करना चाहते हैं। आखिर ऐसी कौन सी बातचीत है जो बच्चे आज के समय में जीवन को खतरे में डालकर करना चाह रहे हैं।

वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर बिखरी हल्की सामग्री बच्चों के दिलों दिमाग़ पर बहुत ग़लत प्रभाव डाल रही है। यही मुख्य कारण है कि बच्चे अपने ही माता-पिता से नज़दीकी का एक अच्छा रिश्ता नहीं बना पा रहे हैं। बच्चों का बाल मन जो अपने अभिभावक के द्वारा दी गई अच्छी परवरिश की तरफ़ आकर्षित होना चाहिए, वो नाज़ुक बाल मन मोबाइल चलाने की प्रतिस्पर्धा में ख़र्च हो रहा है। सोचनीय प्रश्न है ऐसी स्थिति में जो बच्चें मानसिक रूप से पूरी तरह हार रहे हैं, उनके क़ीमती जीवन स्तर को विजय के शिखर तक पहुंचाने की बहुत बड़ी एक पारिवारिक और सामाजिक चुनौती सामने आ गई है। बच्चों की दुनियां जो मोबाइल तक सिमट रही है उसके पीछे बच्चों का ज्यादा देर तक रात को जागना भी जिम्मेदार है। बच्चों के अंदर स्मार्टफ़ोन का बढ़ता उपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। हाल ही में शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में साफ़ आया है कि छात्र-छात्राएं स्कूलों के दौरान भी मोबाइल का उपयोग करने से नहीं हिचक रहे हैं। बच्चों द्वारा पाठ्यक्रम कम पढ़ा जा रहा है।

मोबाइल के अंदर आभासी दुनिया की हिंसक सामग्री की स्टडी बड़ी जिम्मेदारी से की जा रही है। शिक्षण संस्थानों तक में बच्चों की नज़रें मोबाइल पर प्रति दिन लगभग सत्तर - पचहत्तर बार जाती हैं, जो बच्चों के हित में नहीं कही जा सकतीं। इन सब चीजों से बच्चों का अध्ययन , प्रदर्शन ,ध्यान , और आत्म विश्वास बुरी तरह कमज़ोर होता है। इससे बच्चों की पढ़ाई करने के फोकस पर भी पूरी तरह से ध्यान हट जाता है। कुल मिलाकर बच्चों के संस्कारिक जीवन को बचाना है तो आधुनिक और आभासी दुनियां के बारे में बच्चों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है।

बच्चों के अंदर मोबाइल देखने की ललक को आप त्वरित ठीक नहीं कर सकते। इसके लिए बच्चो के अंदर संतुलित और डिजिटल अनुशासन के बारे में जागरूक करना बहुत ज़रूरी है।

मोटिवेशनल

दूसरों की चमक में अपनी पहचान मत खोइए

डॉ. रोहित बंसल
मोटिवेशनल स्पीकर

आज का दौर तुलना का दौर बन गया है। जैसे ही हम सोशल मीडिया का इस्तेमाल शुरू करते हैं, हमें लोगों की कामयाबी, विदेश भ्रमण, नई गाड़ियां या उनकी आलीशान लाइफ स्टाइल दिखने लगती है। अनजाने में ही हम अपनी जीवनशैली की तुलना दूसरों के साथ करने लगते हैं। मन में यह विचार आने लगता है कि शायद हम पिछड़ रहे हैं, हमारी कामयाबी छोटी है और हमारा जीवन उतना खास नहीं है। मगर वास्तविकता यह है कि हर चमकती फोटो के पीछे एक ऐसी कहानी छिपी होती है, जिसे लोग नहीं देख पाते। दूसरों की सफलता से प्रेरणा लेना सही है, पर इस वजह से अपना आत्मविश्वास और अपनी पहचान खो देना एक बड़ी गलती है। तुलना करने का सबसे बुरा असर यह होता है कि यह धीरे-धीरे हमारी खुशियाँ छीन लेती है। जब हम लगातार दूसरों की सफलता को ही जीवन का मानक मान लेते हैं, तब हम अपने पास मौजूद चीजों का लुत्फ उठाना भूल जाते हैं। यह समझना बहुत जरूरी है कि हर इंसान का जीवन, हालात और उसकी राह अलग होती है। कोई इंसान कम उम्र में कामयाब हो जाता है, तो कोई लंबा संघर्ष करने के बाद अपनी मंजिल पाता है। इसलिए किसी दूसरे की उपलब्धियों के आधार पर अपने जीवन को आंकना सही नहीं है। जिंदगी कोई मुकाबला नहीं है जहाँ सबको एक ही समय पर एक ही लक्ष्य पाना हो। आज के समय में जरूरत इस बात की है कि हम दूसरों से मुकाबला करने के बजाय अपने बीते हुए कल से मुकाबला करें। यदि हम कल के मुकाबले आज बेहतर सोच रहे हैं, नया सीख रहे हैं और एक बेहतर इंसान बन रहे हैं, तो यही असली सफलता है। जब हम अपनी खूबियों को पहचानते हैं और अपनी कमियों को अपनाते हैं, तब हम दूसरों की चमक से प्रभावित होने के बजाय खुद को और बेहतर बना पाते हैं।जीवन की वास्तविकता यही है कि हर व्यक्ति खास है। हमारी पहचान केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि हमारे विचारों, मूल्यों, व्यवहार और जीने के ढंग से होती है। इसलिए दूसरों की चमक देखकर खुद को छोटा न समझें। अपने सपनों पर भरोसा रखें, अपने सफर का आदर करें और अपनी छोटी-बड़ी प्रगति का आनंद लें।

लघु कथा

जाहिल

कायनात की मैटरनिटी लीव समाप्त हो चुकी थी। आज उसे सरकारी अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के रूप में फिर से ड्यूटी जॉइन करनी थी। सुबह की भागदौड़ में वह अपनी नन्ही बेटी अदा को भी तैयार कर रही थी। टिफिन पैक करते हुए उसने पति जहीर से कहा, "प्लीज़, मेरी हेल्प कर दो और अदा का डायपर बदल दो।"

जहीर ने हिचकिचाते हुए मना कर दिया।

प्रतिभा सुमन 'रजनीगंधा'
कहानीकार

कायनात ने सोचा कि शायद वह इस काम में सहज नहीं है, इसलिए बिना बहस किए उसने स्वयं बेटी को तैयार किया, बेबी बैग उठाया, टैक्सी बुलाई और अस्पताल चली गई। लेकिन जहीर का व्यवहार उसके मन में दिनभर सवाल बनकर घूमता रहा।

रात को उसने शांत स्वर में पूछा, "सुबह तुमने अदा का डायपर बदलने से इनकार क्यों किया?"

जहीर का उत्तर सुनकर कायनात के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। उसकी बातों से उसे महसूस हुआ कि पति की सोच असामान्य और अत्यंत चिंताजनक है। उसने यह भी समझ लिया कि यह केवल एक घरेलू बहस नहीं, बल्कि उसकी बेटी की सुरक्षा और भविष्य का प्रश्न है। कायनात ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन जहीर अपनी बात पर अड़ा रहा। उस क्षण कायनात के सामने पत्नी होने से पहले एक माँ का दायित्व खड़ा था। उसने बिना देर किए अदा के कपड़े समेटे, टैक्सी बुलवाई और बेटी को गोद में लेकर घर छोड़ दिया। पूरे रास्ते वह अदा को सीने से लगाए रही। उसकी आंखों में आँू थे, लेकिन मन में एक दृढ़ विश्वास भी था कि किसी भी मां के लिए अपने बच्चे की सुरक्षा सबसे बड़ा धर्म है। उसने अपने पिता को फ़ोन मिलाया और उनसे सहायता मांगी। कायनात जानती थी कि यह निर्णय आसान नहीं है। एक परिवार टूट रहा था, लेकिन वह यह भी समझ चुकी थी कि जहां विश्वास समाप्त हो जाए और बच्चे की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग जाए, वहां समझौता नहीं, साहस आवश्यक होता है। कभी-कभी जीवन की सबसे कठिन राह ही भविष्य की सबसे सुरक्षित मंज़िल बन जाती है।

कुछ हटकर

एसईओ कंटेंट राइटिंग: डिजिटल युग का सबसे उभरता करियर

सेंट्रल डेस्क

डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ आर्ट और मानविकी के छात्रों के लिए भी रोजगार के नए अवसर तेजी से उभर रहे हैं। इनमें एसईओ (सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन) कंटेंट राइटिंग युवाओं के लिए एक आकर्षक करियर विकल्प बनकर सामने आया है। यह ऐसा क्षेत्र है जहां भाषा पर पकड़, रचनात्मक सोच और डिजिटल तकनीक की समझ का मेल होता है। आज कंपनियां, मीडिया संस्थान और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अपनी ऑनलाइन मौजूदगी मजबूत करने के लिए एसईओ कंटेंट राइटर्स की तलाश कर रहे हैं। ऐसे में कला और मानविकी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए यह क्षेत्र रोजगार और स्वरोजगार दोनों की बेहतरीन संभावनाएं प्रदान करता है।

ये है अर्थ

एसईओ कंटेंट राइटिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें ऐसा लेख, ब्लॉग या वेब कंटेंट तैयार किया जाता है जो पाठकों के लिए उपयोगी होने के साथ-साथ गूगल जैसे सर्च इंजन में भी बेहतर रैंक प्राप्त कर सके।

12वीं के बाद रोडमैप

बीए या कोई भी स्नातक कोर्स करें। एसईओ और डिजिटल मार्केटिंग का ऑनलाइन कोर्स करें। ब्लॉग लिखने की नियमित प्रैक्टिस करें।

मुख्य कार्य

- ब्लॉग और आर्टिकल लिखना
- वेबसाइट कंटेंट तैयार करना
- कीवर्ड का सही उपयोग
- मेटा टाइटल व डिस्क्रिप्शन बनाना
- कंटेंट को सर्च इंजन के अनुसार ऑप्टिमाइज करना

आवश्यक कौशल

- हिंदी या अंग्रेजी भाषा पर मजबूत पकड़
- रिसर्च करने की क्षमता
- डिजिटल मार्केटिंग की बुनियादी समझ
- कीवर्ड रिसर्च का ज्ञान
- रचनात्मक और सरल लेखन शैली
- एआई टूल्स के साथ काम करने की क्षमता

रोजगार के अवसर

- न्यूज वेबसाइट और मीडिया हाउस
- डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियां
- ई-कॉमर्स कंपनियां
- हेल्थ और एजुकेशन पोर्टल
- स्टार्टअप कंपनियां
- कॉर्पोरेट वेबसाइट-ब्लॉगर

आय-सीमा :

- फ्रेशर 15,000 से 25,000 रुपये-2-3 वर्ष अनुभव 30,000 से 50,000 रुपये-अनुभवी प्रोफेशनल 60,000 से 1 लाख से अधिक-फ्रीलांसर 500–5000 रुपये प्रति लेख-अनुभवी लेखक 50,000–1 लाख+ मासिक भी कमा सकते हैं।

क्यों बढ़ रही मांग

- इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में तेजी से वृद्धि
- डिजिटल मार्केटिंग का बढ़ता बाजार
- ऑनलाइन कारोबार का विस्तार
- हिंदी कंटेंट की बढ़ती मांग
- एआई के दौर में भी गुणवत्तापूर्ण मानवीय लेखन की जरूरत

आने वाले वर्षों में डिजिटल कंटेंट की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में एसईओ कंटेंट राइटिंग रोजगार परक विकल्प के साथ ही रचनात्मक युवाओं के लिए घर बैठे करियर बनाने का भी सशक्त माध्यम बन सकता है।

खबर संक्षेप

डुगराणा जोहड़ में शनि शिला स्थापना पर भंडारा

बाढड़ा। गांव झोझू कलां स्थित डुगराणा जोहड़ में शनिवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ शनि शिला की स्थापना की गई। इस अवसर पर विधि-विधान से हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया तथा बाद में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मानव सहायता फाउंडेशन के संयोजक एवं समाजसेवी महादेव बलाली ने जोहड़ परिसर में त्रिवेणी लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जि मेदारी है।

विवाह के तीन साल बाद महिला मायके से लापता

नारनौंद। उपमंडल के गांव से एक लड़की अज्ञात परिस्थितियों में लापता हो गई। विवाहित लड़की अपने मायके आई हुई थी और वो ताऊ के घर जाने के बहाने घर से निकली थी। पुलिस ने लड़की के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज करके उसकी तलाश आरंभ कर दी है। हांसी जिले के गांव मदनहेड़ी निवासी एक व्यक्ति ने बास थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके दो बच्चे हैं, जिनमें बड़ी लड़की है और छोटा लड़का है। उसने अपनी बेटी की शादी करीब तीन साल पहले सोनीपत जिले के गांव बिटाना में कर दी थी। इन दिनों उसकी बेटी अपने मायके गांव मदनहेड़ी आई हुई थी। पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि 27 जून को उसकी बेटी अपने ताऊ के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन शाम तक भी अपने घर वापिस नहीं आई।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार सामान बरामद

हिसार। सिविल लाइन पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में चोरी के मामले में चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा सामान बरामद किया है। जांच अधिकारी एएसआई कविता ने बताया कि 12 जून को मलिक चौक स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में चोरी की वारदात हुई थी। इस संबंध में दुकान संचालक मुकेश कुमार की शिकायत पर केस दर्ज करके जांच शुरू की गई। जांच के दौरान कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नारनौंद निवासी सुनील को गिरफ्तार किया है।

इंटरव्यू से वंचित करना नौजवानों पर कुठारघात

नारनौल। आईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह व जिला सचिव छाजूराम रावत ने कहा कि हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा लेने के बाद नाजायज शर्त लगाकर बहुत सारे बच्चों को इंटरव्यू से वंचित करके नौजवानों के हितों पर कुठारघात किया है। जबकि प्रदेश में जितने पद खाली हैं, उनमें से अगर इन बच्चों को मौका दिया जाता, तो बहुत से बच्चे सेलेक्ट हो सकते थे। यह बच्चे पीएचडी, नेट पास किए हुए हैं। सरकार भर्ती करने का दिखावा अधिक कर रही है, वास्तव में भर्ती करना नहीं चाहती है। दलित और पिछड़ों के हिमायत में ढिंढोरा पीटने वाले आज उन बच्चों को भी इस इंटरव्यू में मौका नहीं दे रहे हैं। यह बच्चे कई दिन से पंचकूला में शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे। सरकार शांतिपूर्ण आंदोलन को कुचलने के लिए आधी रात के समय इनको गिरफ्तार किया गया, इनके टेंट उखाड़ दिए गए।

ओबीसी समाज की मजबूती के लिए मिलकर बढ़ना होगा आगे : विधायक

गजटिड क्लास में आरक्षण 15 से बढ़ाकर 27% कर ओबीसी बैकलॉग भरने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जैन चौक स्थित तिलक भवन में रविवार को कांग्रेस का ओबीसी कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन एवं विधायक चंद्रप्रकाश बतौर मुख्यतिथि पहुंचे तथा अध्यक्षता शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीश गुलिया जोगी ने की। विधायक चंद्रप्रकाश व प्रदीप गुलिया ने गजटिड क्लास में नौकरियों का आरक्षण हरियाणा में 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने की मांग की। इस दौरान जिला स्तरीय ओबीसी कार्यकर्ता सम्मेलन में भिवानी व आसपास के क्षेत्रों से कार्यकर्ताओं व ओबीसी समाज के जुझारू साथियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्यतिथि विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं न्याययोद्धा राहुल गांधी की आवाज को बुलंद कर संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने तथा ओबीसी समाज के राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण के लिए हमें मिलकर आगे बढ़ना होगा।

• कांग्रेस ने हमेशा पिछड़े वर्गों को समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया: गुलिया

भिवानी। ओबीसी कार्यकर्ता सम्मेलन में मंचासीन विधायक चंद्रप्रकाश, जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी व मौजूद कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

चंद्रप्रकाश ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन का दायित्व सौंपकर जो सम्मान दिया गया, उसके लिए कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय नेताओं और प्रदेश के नेताओं का समस्त ओबीसी वर्ग आभार जताया। उन्होंने कहा कि ये सम्मान हरियाणा के उन लाखों पिछड़े वर्गों के भाइयों एवं बहनों का सम्मान है, जिनके हक की आवाज को बुलंद करने का ये अवसर मिला है। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी व ओबीसी समाज का रिश्ता राजनीतिक नहीं बल्कि भावनात्मक है। कांग्रेस ने हमेशा पिछड़े वर्गों को समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि एचपीएससी की नीतियों के विरोध में पंचकूला के सेक्टर-5 में शांतिपूर्ण ढंग से आमरण अनशन और धरना दे रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज व बर्बरतापूर्ण कार्रवाई करके सरकार ने तानाशाही रवैया अपनाया है। प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग इस घटनाक्रम की कड़ी निंदा करता है और मांग करता है कि सरकार को अभ्यर्थियों पर अत्याचार करने की अपेक्षा उनकी सभी जायज मांगों को तुरंत मानकर राहत प्रदान करनी चाहिए।

सरकार जातीय जनगणना करवाकर ओबीसी की जनसंख्या अनुसार दे समुचित प्रतिनिधित्वः गुलिया

शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि सरकार चुनाव के दौरान वोट पाने के लिए बड़े-बड़े वादे व दावे करती है, लेकिन सच्चाई ये है कि ओबीसी के हितों के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया, बल्कि इसके विपरीत ओबीसी को पीछे धकेलने का काम किया गया है। न्याययोद्धा राहुल गांधी ने ओबीसी की जितनी जनसंख्या उतनी भागीदारी का मुद्दा कई बार उठाया है। सरकार को जातीय जनगणना करवाकर ओबीसी की जनसंख्या अनुसार समुचित प्रतिनिधित्व प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आमजन के हितों के लेकर प्रतिबद्ध है तथा उनके हितों की आवाज प्रमुखता एवं मजबूती से उठाती रहेगी।

युवाओं को आगे बढ़ने का मौका दिया जाए

विधायक चंद्रप्रकाश व प्रदीप गुलिया ने गजटिड क्लास में नौकरियों का आरक्षण हरियाणा में 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया जाए। वहीं ओबीसी के लिए आरक्षित खाली बैकलॉग पदों को भरकर युवाओं को आगे बढ़ने का मौका दिया जाए। एचकेआरएन में आरक्षण नीति को पूरी तरह लागू करने, ओबीसी के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए समुचित निःशुल्क सुविधाएं देने व ओबीसी समाज की क्रीमीलेयर की आय सीमा 8 लाख से बढ़ाकर 16 लाख रुपये प्रतिवर्ष करने की मांग उठाई।

बवानीखेड़ा। दक्ष प्रजापति चैरिटेबल ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी गठन को लेकर कार्यक्रम के आयोजन में उपस्थितजन। फोटो : हरिभूमि

दक्ष प्रजापति चैरिटेबल ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी घोषित

- जोगीराम नाहड़यि प्रधान, ओमपाल कोषाध्यक्ष, श्री भगवान बने प्रेस प्रवक्ता
- दो वर्षों के लिए सर्वसम्मति से चुने गए पदाधिकारी, समाज सेवा को नई दिशा देने का लिया संकल्प
- विधायक कपूर वाल्मीकि व चेयरमैन सुंदर अत्री की अगुवाई में ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

दक्ष प्रजापति चैरिटेबल ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी गठन को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्यातिथि के रूप में विधायक कपूर वाल्मीकि, नपा प्रधान सुंदर अत्री ने शिरकत की। प्रैस प्रवक्ता श्री भगवान नाहड़यि ने बताया कि ट्रस्ट ओर से आयोजित बैठक में आगामी दो वर्षों के लिए ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी एवं विभिन्न सेवा प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। बैठक का आयोजन ट्रस्ट के सचिव बाली ठेकेदार तथा उपाध्यक्ष सुखपाल लोहानीवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। बैठक में प्रजापति समाज के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया और सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी के गठन पर अपनी सहमति व्यक्त की। नई कार्यकारिणी में सुधीर नाहड़यि को मुख्य संरक्षक, जोगीराम नाहड़यि को अध्यक्ष, बाली ठेकेदार को उपाध्यक्ष, प्रदीप कुमार प्रजापति को सचिव, विजय कुमार को उप सचिव, ओमपाल प्रजापति को कोषाध्यक्ष, श्रीभगवान नाहडिया को प्रैस प्रवक्ता तथा ओमप्रकाश नाहड़यि को सह-कोषाध्यक्ष चुना गया।

इन्हें जिम्मेदारी

इसके अतिरिक्त रामधन ठेकेदार को महामंत्री, सूबे सिंह को सह महामंत्री, सुखपाल लोहानीवाल को संगठन मंत्री, अजीत जलंधरा को चीफ ऑडिट कोऑर्डिनेटर, कुलदीप लोहानीवाल को ऑडिट कोऑर्डिनेटर, कृष्ण एवं महेंद्र को सुरक्षा अधिकारी, पवन मास्टर को लीगल एडवाइजर, राजकुमार जालवाल को संयुक्त मंत्री, संजय एवं संदीप को मीडिया सचिव, सुरेंद्र कलोइया को सदस्यता सचिव तथा नवीन जलंधरा को कार्यक्रम संयोजक नियुक्त किया गया। बैठक में विभिन्न सेवा प्रकोष्ठों के लिए भी पदाधिकारियों की घोषणा की गई। सेवा कार्य, अन्न सेवा, चिकित्सा सेवा, शैक्षणिक सेवा, युवा शांति प्रकोष्ठ, पर्यावरण तथा जनसंपर्क प्रकोष्ठों के लिए अलग-अलग उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए।

एसआईआर में बीएलओ घर-घर से प्राप्त कर रहे गणना प्रपत्र

- प्राप्त गणना प्रपत्रों का बीएलओ द्वारा डिजिटाइजेशन कार्य भी शुरू
- नागरिक समय पर बीएलओ को उपलब्ध करवाएं अपने गणना प्रपत्र : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनदीप कौर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिलाभर में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता गणना प्रपत्र एकत्रित करने का कार्य तेजी से जारी है। बीएलओ घर-घर जाकर आमजन से भरे हुए गणना प्रपत्र प्राप्त कर रहे हैं तथा प्राप्त प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन भी साथ-साथ किया जा रहा है, ताकि मतदाता सूची का पुनरीक्षण समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूरा किया जा सके।

प्रक्रिया में तेजी के निर्देश

उपायुक्त स्वयं निरन्तर इस प्रक्रिया की पूरी मोनिटरिंग कर रही हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला की दोनों विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार घर-घर पहुंच रहे हैं। सभी क्षेत्रों में एसआईआर से जुड़ी गतिविधियां सुचारू रूप से जारी हैं। उन्होंने बताया कि जिन परिवारों ने गणना प्रपत्र भर लिए हैं, वे उन्हें संबंधित बीएलओ को तुरंत उपलब्ध करवाएं, ताकि उनकी जानकारी का समय पर डिजिटाइजेशन किया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि सभी मतदाता गणना अभियान के तहत वितरित किए गए गणना प्रपत्रों को आवश्यक जानकारी भरने उपरांत तुरंत बीएलओ को सौंपे। यदि किसी मतदाता ने अभी तक अपना गणना प्रपत्र बीएलओ को जमा नहीं कराया है तो शीघ्र जमा करवाएं।

श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन का स्वागत

- हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड पंजीकृत श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए कृत संकल्पित : चेयरमैन रोहताश
- श्रमिक परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य व शादी में लाभ दे रही सरकार व बोर्ड : चेयरमैन जांगड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के तहत पंजीकृत मजदूरों व स्किल्ड लेबर को श्रमिक के जन्म से लेकर बुढ़ापे तक विभिन्न परिस्थितियों में बोर्ड द्वारा सहायता दी जाती है, ताकि श्रमिकों के परिवार की आर्थिक सुरक्षा बनी रहे तथा राष्ट्र निर्माण में श्रमिक अपनी भूमिका निभा सकें, ये बात हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रोहताश जांगड़ा ने भिवानी में कही। जांगड़ा समाज ने रविवार को नया बाजार जांगड़ा धर्मशाला में बोर्ड के चेयरमैन रोहताश जांगड़ा का अभिनंदन समारोह आयोजित किया। जांगड़ा समाज ने चेयरमैन रोहताश जांगड़ा का स्मृति चिह्न व फूल-मालाओं से अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जांगड़ा समाज के जिला प्रधान राजेश जांगड़ा ने की। कार्यक्रम में सतेंद्र भाखडिया विशेष तौर पर मौजूद रहे। इस दौरान भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह व विधायक घनश्याम सर्राफ ने श्रमिकों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का जिक्र किया तथा बोर्ड के चेयरमैन रोहताश जांगड़ा से श्रमिकों की समस्याओं पर चर्चा की।

भिवानी। हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रोहताश जांगड़ा का अभिनंदन करते सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक घनश्याम सर्राफ व जांगड़ा समाज।

यह की घोषणा

विधायक घनश्याम सर्राफ व नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप ने जांगड़ा समाज की धर्मशाला के नवीनीकरण करवाने की घोषणा भी की। बोर्ड के चेयरमैन रोहताश जांगड़ा ने कहा कि महिला श्रमिकों के बच्चा जन्म लेने पर 36 हजार रूपये, पुरूष श्रमिक के पिता बनने पर 21 हजार की वित्तीय सहायता, पहली से 12वीं कक्षा तक 8 हजार से 20 हजार रूपये तक की वित्तीय सहायता, बोर्ड परीक्षाओं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक लेने पर 21 हजार से 51 हजार की सहायता, श्रमिक की बेटी में 51 हजार रूपये की आर्थिक सहायता तथा पुरूष श्रमिक की खुद की शादी में 21 हजार की सहायता के अलावा श्रमिकों को दुर्घटना होने पर डेढ़ लाख से 3 लाख की मदद दी जाती है।

युवा कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री का फूंका पुतला

- पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल पर की गई टिप्पणी के विरोध में युवा कांग्रेस ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

आपातकाल को लेकर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल को लेकर की गई कथित टिप्पणी पर रविवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गहरा रोष प्रकट किया। युवा कांग्रेस के जिला महासचिव सुमित श्योराण के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने चौधरी देवीलाल चौक पर केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल का पुतला फूंका एवं जमकर नारेबाजी की। युवा कांग्रेसियों ने कहा कि टिप्पणी को लेकर केंद्रीय मंत्री को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा आंदोलन को तेज किया जाएगा। कांग्रेस नेता सुमित श्योराण ने कहा कि स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल ने ही आधुनिक हरियाणा की नींव रखी थी, उनके कार्यकाल में प्रदेश ने सडक़, सिंचाई, बिजली, शिक्षा और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए, उनकी विकासवादी सोच एवं दूरदर्शी नेतृत्व के कारण हरियाणा देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ था। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को विकसित और मजबूत हरियाणा विरासत में मिला था, उनके शासनकाल में प्रदेश की विकास गति प्रभावित हुई, ऐसे में हरियाणा के निर्माता के प्रति ऐसी टिप्पणी न केवल उनकी विरासत का अपमान है, बल्कि प्रदेश की जनता की भावनाओं को भी आहत करने वाली है। प्रदर्शन करने वाले सतीश फरटिया, विक्रम मान, सिद्धार्थ लेघा, अजय फरटिया, रोहित श्योराण, अंकित श्योराण, नितिन फरटिया, सुमित पूनिया आदि ने केंद्रीय मंत्री द्वारा स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल को लेकर की गई टिप्पणी पर रोष जताया और चौधरी देवीलाल चौक पर केंद्रीय मंत्री का पुतला फूंककर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ऐसी टिप्पणी के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा ये विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक तरीके से आगे भी जारी रहेगा। प्रदर्शन में अनेक युवाओं ने हिस्सा लिया और नारेबाजी भी की।

लोहारू। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौ बंसीलाल पर की गई टिप्पणी के विरोध में पुतला फूंकते हुए लोहारू के युवा। फोटो : हरिभूमि

बावल एग्री रिसर्च सेंटर में कल होगा देशव्यापी खेत बचाओ कार्यक्रम

- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान होंगे मुख्यतिथि
- मिट्टी की सेहत और प्राकृतिक खेती पर रहेगा मुख्य फोकस : डॉ. कौशिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

आगामी 30 जून का दिन हरियाणा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है, इसलिए पूरे भारत वर्ष में व्यापक स्तर पर चलाए जा रहे 'खेत बचाओ अभियान' कार्यक्रम का समापन बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र पर किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर के समारोह में मुख्यतिथि के रूप में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शिरकत करेंगे। उनके साथ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. मांगीलाल और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बलदेवराज कम्बोज भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

किसानों से शामिल होने की अपील

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने क्षेत्र के तमाम किसानों और आमजन से अपील की कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर इस कार्यकर्म को सफल बनाए। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. रविंद्र सिंह ढिल्लों ने बताया कि 30 जून को सुबह 7 बजे दादरी और भिवानी जिले के किसानों को ले जाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र भिवानी से वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में 2 बसों को रवाना किया जाएगा। डॉ ममता फौगाट और डॉ रवींदर ढुहन बस नंबर 1 के इंचार्ज होंगे तथा डॉ योगिता और डॉ करिश्मा नंदा बस नंबर 2 के इंचार्ज होंगे। अभियान के जरिए एक बेहद महत्वपूर्ण संदेश खाद्य तेलों के उपयोग को लेकर भी दिया जा रहा है। देश में खाद्य तेलों के उपभोग में 10 फीसदी की कटोती करने का लक्ष्य रखा गया है,जिसका उद्देश्य न केवल देश के पैसे और तेल की बचत करना है, बल्कि नागरिकों को अत्यधिक तेलीय भोजन से बचाकर स्वस्थ रखना भी है।

एसआईआर अभियान को लेकर बैठक में की चर्चा

- मतदाता पंजीकरण फॉर्म भरने की प्रक्रिया व आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

ग्राम पंचायत बहल के तत्वावधान में सोमवार को सुबह 11 बजे पंचायत भवन में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता लोहारू के एसडीएम मनोज दलाल करेंगे। बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इसमें मतदाता पंजीकरण फॉर्म भरने की प्रक्रिया, बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) की भूमिका, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, मतदाता सूची में नाम सत्यापन तथा एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही ग्रामीणों की शंकाओं का समाधान भी किया जाएगा। सरपंच साधु राम पनिहार ने कहा कि यह बैठक मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से अनुरोध किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में बैठक में भाग लेकर सही जानकारी प्राप्त करें और अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें।

नोटिस दिया हेमसा के आन्दोलन के दबाव में डायरेक्टर सेकेंडरी ने दिया बातचीत का न्योता

ऑनलाइन स्थानांतरण व सेवा नियमों में छूट देकर सहायक व आंकड़ा सहायक के खाली पदों पर पदोन्नत करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सर्व कर्मचारी संघ संबंधित हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन की दो जुलाई को डायरेक्टर सेकेंडरी के साथ वार्ता मीटिंग होगी। विभाग ने आन्दोलन के दबाव में पत्र भेजकर द्विपक्षीय आपसी वार्ता मीटिंग करने के लिए हेमसा के प्रतिनिधिमंडल को निमंत्रण दिया है, जिसमें पहले कर्मियों ने 11 फरवरी को डायरेक्टर ऑफिस पंचकूला पर हल्ला बोल प्रदर्शन किया था। उसी दौरान डायरेक्टर सेकेंडरी के साथ 10 बिन्दुओं पर चर्चा हुई थी, जिनमें से चार पर सहमति बनी थी, लेकिन लगभग पांच माह बीत जाने पर भी समस्याएं ज्यों की त्यों है, बल्कि बढ़ती ही जा रही है।वहीं पलवल जिले में अन्य जिलों के समान पद स्वीकृत करने, नूंह-मोरनी का स्पेशल भत्ता 10 हजार करने, फील्ड क्लर्क के कार्य को अधिसूचित करने व सभी लम्बित मामलों का शीघ्र निपटान कर समाधान करने की मांग उठाई। वार्ता मीटिंग के दौरान मांगों/समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे हेमसा निर्णायक आन्दोलन का ऐलान करेगी, जिसकी जिम्मेदारी सरकार व जिला प्रशासन की होगी।

भिवानी। मांगपत्र को लेकर चर्चा करते हेमसा के प्रदेशाध्यक्ष संदीप सांगवान, महासचिव हितेंद्र सिहाग व कोषाध्यक्ष मुकेश खरब। फोटो : हरिभूमि

प्रदर्शन करने का नोटिस भेजकर विरोध जताया

हेमसा ने 24 जून को पंचकुला में प्रदर्शन करने का नोटिस भेजकर विरोध जताया था, जिस पर 19 जून को पत्र भेजकर हेमसा प्रतिनिधिमंडल को बातचीत करने के लिए बुलाया। हेमसा के प्रदेशाध्यक्ष संदीप सांगवान, महासचिव हितेंद्र सिहाग, कोषाध्यक्ष मुकेश खरब, प्रवक्ता सुजान मालडा ने सांझा बयान जारी कर बताया कि शिक्षा विभाग व अफसरशाही लगातार फील्ड मिनिस्ट्रियल स्टाफ कर्मियों का शोषण कर रही है। नियमों को ताक पर रखकर मामूली वेतन प्राप्त कर्मियों को छह साल पहले दूर दराज स्थानांतरित किया था, जिनकी कोई सुनवाई नहीं हुई है। उन्होंने तत्काल ऑनलाइन स्थानान्तरण करने, सेवा नियमों में छूट देकर सहायक, आंकड़ा सहायक, उपाधीक्षक व अधीक्षक के सभी खाली पदों पर पदोन्नति करने की मांग की। वहीं वर्कलोड अनुसार नए पद सृजित कर सभी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में सहायक, बीईओ में आंकड़ा सहायक, उपाधीक्षक, डीईओ व डीईईओ में एआरओ, डीईईओ में अधीक्षक तथा डीईओ में स्थापना अधिकारी का पद स्वीकृत किया जाए। इसके साथ ही सबसे महत्वपूर्ण एसीपी व सीसीएल स्वीकृत करने की अनुमति डीईओ को ही दी जाए, ताकि कर्मचारी वर्ग को परेशानियां न उठानी पड़े।

खबर संक्षेप

सीबीएलयू में प्रवेश तिथि 9 जुलाई तक बढ़ाई

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय ने 2026-27 के लिए स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्रीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकार 9 जुलाई कर दिया गया है। साथ ही यूजी पाठ्यक्रमों में दाखिलों की फिजिकल काउंसलिंग 30 जून को निर्धारित की गई है। डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. सुनीता भरतवाल और एडमिशन कोऑर्डिनेटर प्रो. सुरेंद्र कौशिक ने संयुक्त रूप से बताया कि विश्वविद्यालय परिसर और ऑनलाइन पोर्टल पर विद्यार्थियों और अभिभावकों में अभूतपूर्व उत्साह है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह निर्णय लिया गया है। रोजगारोन्मुखी और कौशल आधारित पाठ्यक्रम, आधुनिक अधोसंरचना, अनुभवी संकाय और छात्र केंद्रित सुविधाओं के कारण इस बार प्रवेश के लिए अभूतपूर्व रुचि देखने को मिली है। परिसर में स्थापित प्रवेश सहायता केंद्रों पर कर्मचारी और स्वयंसेवक आवेदकों को जानकारी और मार्गदर्शन दे रहे हैं। इच्छुक विद्यार्थी बढ़ी हुई तारीख तक आवेदन जमा कर सकते हैं। ऐसे विद्यार्थी जिनके अंतिम सेमेस्टर या वर्ष का परिणाम अभी घोषित नहीं हुआ है उन्हें आवेदन करने की अभी अनुमति प्रदान की गई है। यह सुविधा इस शर्त पर होगी कि विद्यार्थी प्रथम काउंसलिंग से पूर्व लंबित परिणाम विवि पोर्टल पर अपडेट करवाएं।

एक लाख 27 हजार 299 बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो रोधी दवा

दो बूंद जिंदगी की हर बार, पोलियो पर निर्णायक प्रहार: घनश्याम सर्राफ

- हम सभी संकल्प लें कि एक भी बच्चा इस जीवनरक्षक दवा से वंचित ना रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत बुधवार को विधायक घनश्याम सर्राफ ने चौधरी बंसीलाल राजकीय सामान्य अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में 0 से 5 वर्ष तक के नौनिहालों को अपने हाथों से पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया।

इस दौरान विधायक श्री सर्राफ ने कहा कि सरकार का कार्य हर बच्चे तक पोलियो की दो बूंद पिलाना हम सभी की सामूहिक और नैतिक जिम्मेदारी है। हम सभी संकल्प लें कि एक भी बच्चा इस जीवनरक्षक दवा से वंचित ना रहे। स्वस्थ, सुरक्षित एवं पोलियो मुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। इस दौरान कार्यवाहक सिविल सर्जन डॉ सुनील ने बताया कि जिले में 509 पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जिसमें 127299 बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाई जायेगी। जिले में विभिन्न जगहों पर 23 ट्रांजिट टीम बनाई गई है तथा 10 मोबाइल टीम बनाई गई है, जिसमें 2665 स्वास्थ्य कर्मचारियों,आशा वर्कर, छात्र छात्राएं तथा स्वयंसेवकों सम्मिलित है, जिनके द्वारा दवाई पिलाई जाएगी। कार्यवाहक प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ बलवान ने बताया कि सोमवार से दो दिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर घर जाकर पोलियो पिलायेंगीं।

उन्होंने सभी माता-पिता से विनम्र अपील कि अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। सरकारी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों पर यह डोज बिल्कुल निशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि हमारा सामूहिक संकल्प है कि हम सब मिलकर अपने देश भारत को हमेशा के लिए पोलियो मुक्त बनाए रखेंगे। एक स्वस्थ बचपन ही सशक्त राष्ट्र की नींव है। इस अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ आशीष, स्वास्थ्य निरीक्षक जगदीश प्रसाद जांगड़ा सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भिवानी। पोलियो रोधी दवा पिलाते हुए। फोटो: हरिभूमि

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में वार्ड 09 निवासी रयान डुमड़ा व कार्तिक डुमड़ा पोलियो की खुराक लेते हुए। फोटो: हरिभूमि

बवानीखेड़ा में बच्चों को पिलाई पोलियो खुराक

बवानीखेड़ा। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को बवानीखेड़ा क्षेत्र में पाँच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो से बचाव की दवा पिलाई गई। वार्ड 09 निवासी रयान डुमड़ा व कार्तिक डुमड़ा ने भी हंसते मुस्कुराते हुए पोलियो की खुराक को ग्रहण किया। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने विभिन्न पोलियो बूथों पर सुबह से ही बच्चों को दो बूंद जीवन की दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों एवं आशा कार्यकर्ताओं ने अभिभावकों को पोलियो से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए सभी पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए हर बार पोलियो की दवा पिलाना आवश्यक है, चाहे बच्चे को पहले भी कई बार दवा पिलाई जा चुकी हो। स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य निरीक्षक प्रेम कुमार ने बताया कि जिन बच्चे किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके, उन्हें घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी ताकि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे स्वास्थ्य विभाग की टीमों का सहयोग करें और अपने पाँच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं।

भिवानी। शिविर में जांच करवाते मरीज। फोटो: हरिभूमि

संत कबीर जयंती की पूर्व संध्या पर शिविर में 150 की आंखों की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

गांव बापोड़ा की महर्षि वाल्मीकि चौपाल में संत कबीर जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर न केवल धार्मिक-सामाजिक उत्सव का हिस्सा बना, बल्कि परिवार की व्यक्तिगत खुशी को जनसेवा के रूप में समाज को समर्पित करने का सुंदर उदाहरण भी रहा। यह पहल गांव के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि विजेंद्र सिंह ने उनके छोटे पुत्र रोहित की उच्च शिक्षा विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर (भूगोल) पद पर नियुक्ति पर की। शिविर में धीर हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में लगभग 150 से अधिक लोगों की आंखों की जांच की। मौके पर विकास लोट, लीलू जांगड़ा, पंडित राजकुमार, ओमप्रकाश कंडक्टर, ईमरान बापोड़ा, डॉ. सतपाल, राजेंद्र थानेदार, असिस्टेंट प्रोफेसर रोहित, राहुल, रविंद्र व कोमल मौजूद रहे।

ट्रस्ट ने संत शिरोमणि कबीरदास को किया नमन

भिवानी। संत शिरोमणि कबीरदास के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के बैनर तले स्थानीय हनुमान ढाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंदिर के महंत बालयोगी महंत चरणदास के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने संत शिरोमणि कबीरदास महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा उनकी शिक्षाओं को अपनाकर जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। कबीरदास महाराज की जयंती पर 29 जून को हनुमान जोहड़ी मंदिर में संत कबीर कुटीर साधना व सत्संग भवन का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर बंटी गोयल, राकेश कौशिक, अधिवक्ता रमेश शर्मा, प्रेम शर्मा, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर कमलेश यादव, कुलदीप जेवली, डा. ओमबीर कौशिक, नाथुराम, राधा, रेणु, लीलावती, बिंदी, आशुतोष, विक्रम कांगड़ा आदि मौजूद रहे।

आरोपियों के साथियों पर कसा शिंकजा

- नाबालिक युवतियों को बहला फुसला कर ले जाने वाले बढ़ते मामलों पर पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

नाबालिक युवतियों को बहला फुसला कर ले जाने वाले बढ़ते मामलों को रोकथाम के लिए अब पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपियों का साथ देने वाले लोगों को भी शिकंजे में लेना शुरू कर दिया है। बहल पुलिस ने ऐसे दो मामलों में आरोपियों के सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का मानना है कि ऐसी कार्रवाई से निश्चित रूप से अपराध में कमी आएगी। पिछले कुछ मामलों में गहन छानबीन के बाद यह बात सामने निकलकर आई है कि आरोपी को ऐसा काम करने में उसे उकसाने के साथ साथ नाबालिक को भगाने में उसका साथ देने वाले उसके साथियों की भूमिका अहम रही है। इन मामलों से यह साफ हुआ है कि आरोपी को अगर उसके सहयोगियों का साथ नहीं मिलता तो वे इस काम को अंजाम नहीं दे सकते थे। साथियों के सहयोग से ही वो नाबालिगों को घर से भगाने में सफल हुए। पुलिस का मानना है कि जब पब्लिक में यह संदेश जाएगा कि अब आरोपी के साथी भी जांच में आयेंगे तो निश्चित तौर पर लोग ऐसे मामलों में साथ नहीं देंगे और ऐसे अपराधों में कमी आएगी।

केस नंबर 1

पहला केस कस्बे से जुड़े एक मामले का है। जिसमें दिनोद गांव निवासी 22 वर्षीय युवक लोकदल ने एक नाबालिक को भगाकर ले गया था। पुलिस ने नाबालिग को बरामद करने के साथ हो लोकदल को तो गिरफ्तार किया ही है, उसके साथ देने वाले लोहानी गांव निवासी 26 वर्षीय सन्नी और 22 वर्षीय नवीन को गिरफ्तार किया है।

केस नंबर 2

इस केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी का साथ देने वाले दो किशोर नाबालिग है। पुलिस न मुख्य आरोपी हिमांशु उर्फ कालिया को गिरफतार कर जेल भेज दिया जबकि आरोपी का साथ देने वाले दो किशोर नाबालिग होने की स्थिति में उनको बाल सुधार गृह मधुबन भेज दिया है।

बोले अधिकारी

बहल थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि नाबालिग लड़कियों को बहला फुसला कर ले जाने वाले मामलों को लेकर पुलिस हर स्तर पर रोकथाम के प्रयास कर रही है। ऐसे मामलों में आरोपी का साथ देने वालों की भूमिका भी अहम होती है। पुलिस ने ऐसे मामलों में उनको भी गिरफ्तार कर जेल भेज रही है ताकि भविष्य में ऐसे मामलों में आरोपी का साथ देने वालों को सौ बार सोचना पड़े।

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते अतिथि।

गांव बीरण में शिविर में 42 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

- जरूरतमंद का जीवन बचाने को प्रत्येकजन करें रक्तदान: जोगेंद्र

भिवानी। रक्तदान महादान, रक्तदान जीवनदान, इसी पावन संकल्प को चरितार्थ करते हुए समर्पण चैरिटेबल ब्लड सैंटर ने विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में 14 से 28 जून तक चले पखवाड़े के तहत रविवार को गांव बीरण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 42 यूनिट रक्त एकत्रित किया। शिविर का आयोजन डॉ. अन्नु, डॉ. अमित व डॉ. नवीन जांगड़ा की देखरेख में किया। अभियान की सबसे बड़ी विशेषता समर्पण ब्लड सैंटर की मोबाइल ब्लड डोनेशन वैन रही। इस चलते-फिरते आधुनिक ब्लड बैंक के सहयोग से लोगों तक भी पहुंचने में मदद मिली जो मुख्य केंद्र तक आने में असमर्थ थे। शिविर में आए विशेषज्ञों ने रक्तदान से जुड़े स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में नए रक्त कणों का निर्माण तेजी से होता है, जिससे शरीर में आयरन का संतुलन बना रहता है, जिससे हृदय रोग का खतरा काफी कम हो जाता है। इस मौके रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित कर बीरण के सरपंच प्रतिनिधि जोगेंद्र सिंह ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं होता, यह केवल एक इंसान ही दूसरे इंसान को दे सकता है।

महिलाओं की सुरक्षा और उनका सशक्तिकरण ही है सर्वोच्च प्राथमिकता : मीना परमार

- हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा ने किया हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा राज्य महिला आयोग की नवनियुक्त उपाध्यक्ष मीना परमार का रविवार को रोहतक गेट स्थित राजपूत धर्मशाला में हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा द्वारा नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध नागरिकों और सभा के पदाधिकारियों ने मीना परमार को स्मृति चिह्न भेंट कर और शाल ओढ़ाकर उनका आत्मीय स्वागत व नागरिक अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा राजपूत प्रतिनिधित्व सभा के जिला अध्यक्ष डा. बृजपाल सिंह पप्पू ने की, जबकि सभा के मुख्य संरक्षक आर.पी. सिंह ने विशेष रूप से उपस्थित होकर नवनियुक्त उपाध्यक्ष को अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर समाज और बाल कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए भिवानी बाल संरक्षण आयोग के चेयरमैन अधिवक्ता प्रदीप सिंह तंवर को भी सभा द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मंच का संचालन कर्नल जगदीश सिंह ने किया। हरियाणा महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने कहा कि मुझे जो यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह केवल एक पद नहीं, बल्कि प्रदेश की हर उस महिला की आवाज बनने का माध्यम है जो न्याय और संबल की आस रखती है।

नवनियुक्त उपाध्यक्ष मीना परमार को सम्मानित करते हुए।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान कर्नल जगदीश सिंह, जयपाल सिंह चौहान, वेदपाल सिंह परमार, प्रेम सिंह तंवर, बिजेंद्र सिंह परमार, योगेंद्र सिंह चौहान, हरिपाल सिंह तंवर, कंवर सिंह तहसीलदार, जयपाल राघव, राजपाल राघव, बीर सिंह कमांडो,नेपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह सरपंच, पवन सिंह सरपंच,रामपाल सिंह परमार , बिजेंद्र सिंह कोच, कैप्टेन हरिपाल सिंह जीतवनबास, कंवर सिंह तहसीलदार और सतबीर सिंह , धर्मबीर दहिया, राजपाल पार्षद , वीना तंवर, बिमला परमार ,शालू तंवर , बीर सिंह तंवर, सोनू परमार और पी के स्टार अनेक लोग मौजूद रहे।

भाजपा नेता अपनी गंदी राजनीति में घसीट रहे हैं पूर्व सीएम बंसीलाल का नाम: जितेन्द्र भोलू

भिवानी। पहले तो भाजपा से राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा और अब पूर्व मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बंसीलाल के नाम पर गंदी राजनीति की है। इसके लिए पूर्व राज्यसभा सांसद किरण चौधरी, प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी व बंसीलाल परिवार को इस मामले पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। यह बात छात्र संघर्ष समिति, युवा कल्याण संगठन के सदस्य जितेन्द्र भोलू, देशमुख दादरवाल, विरेन्द्र टीटाणी, दुष्यंत कलकल, मुकेश शर्मा, अमित अत्री, अशोक मलिक, संजय जीतवानबास, जयपाल तंवर आदि ने मनोहर लाल ने अपने हालिया बयान में देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी, संजय गांधी और आधुनिक हरियाणा के निर्माता व पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल पर सीधा निशाना साधते हुए उन्हें आपातकाल के तीन दलाल कहने पर कड़ा विरोध जताया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

प्रत्येक जरूरतमंद तक चिकित्सा सुविधा पहुंचाना था शिविर का उद्देश्य : हर्षदीप डुडेजा

केपीएम चैरिटेबल अस्पताल में शिविर में 138 ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

नागरिकों को उनके घर के नजदीक ही देश की उच्च स्तरीय और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को गुरुग्राम के आर्टेमिस अस्पताल और स्थानीय के.पी.एम चैरिटेबल अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में कृष्णा कॉलोनी स्थित कहरोड़ भवन में के.पी.एम चैरिटेबल अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में भारी उत्साह देखा गया और कुल 138 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें निःशुल्क परामर्श व दवाइयां दी गईं। स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन शंकर लाल धूपड़ एवं भिवानी ट्रैफिक एसएचओ संजय कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शिविर की अध्यक्षता के.पी.एम चैरिटेबल अस्पताल के चेयरमैन, पार्षद प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ भाजपा नेता हर्षदीप डुडेजा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शंकर लाल धूपड़ व संजय कुमार ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। गुरुग्राम के आर्टेमिस जैसे प्रतिष्ठित अस्पताल के विशेषज्ञों को भिवानी लाकर स्थानीय लोगों को निःशुल्क सेवाएं देना एक बेहद पुनीत कार्य है। के.पी.एम चैरिटेबल अस्पताल के चेयरमैन, पार्षद प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ भाजपा नेता हर्षदीप डुडेजा ने बताया कि कैंप में पहुंचे मरीजों को हृदय रोग, मस्तिष्क रोग व हड्डी रोग विशेषज्ञों द्वारा मरीजों की गहन जांच की गई।

जांच के बाद डॉक्टरों की पर्ची के आधार पर सभी मरीजों को अस्पताल प्रबंधन की ओर से मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं।

भिवानी। आयोजित शिविर में लोगों को संबोधित करते एक वक्ता। फोटो: हरिभूमि

अखिल भारतीय किसान सभा की कमेटी गठित

लोहारू। रविवार को लाल बहादुर शास्त्री पार्क में अखिल भारतीय किसान सभा के सदस्यों की हवासिंह बलौदा खरकड़ी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक का संचालन सुरेंद्र राठी ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से तदर्थ कमेटी का गठन किया। कमेटी सदस्यों में धनसिंह सिंघानी, धर्मपाल सिंघानी, नंदलाल दहिया गिगनाऊ, सतबीर दहिया गिगनाऊ, बलवंत धुवां खरखड़ी, हवा सिंह बलौदा खरकड़ी, सुरेंद्र सिंह खरकड़ी,भरत सिंह दमकौरा, इंद्र सिंह दमकौरा, इंद्र सिंह फरटिया केहर, महावीर पूनिया ढाणी लालपुर, हरचंद नेहरा सेहर, मनोज कुमार बारवास, देवेंद्र बिसलवास, राजेन्द्र शेखावत सोहासडा, सुनील कुमार सोलंकी पहाड़ी,शेर सिंह मनफरा, मनजीत गिगनाऊ, बलबीर सिंह को शामिल किया, जबकि फूलसिंह मलिक ढाणा जोगी, जयप्रकाश फरटिया केहर और सुरेंद्र राठी को कमेटी के मार्गदर्शन की जिम्मेदारी दी। इस दौरान जगरोशन ने हरियाणा और केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों की आलोचना करते हुए किसानों को एकजुट होकर संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया। 28 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चे की कन्वेंशन नई दिल्ली में होगी, जिसमें अखिल भारतीय किसान सभा के सदस्य भी हिस्सा लेंगे। बैठक में जिला प्रधान रामफल देशवाल, मास्टर उमराव सिंह, सूबेदार धनपत सिंह और मीरसिंह ओबरा ने संबोधित किया।

पोलियो ड्राप्स के लिए नैनिहालों सहित शिविरों में उमड़े अभिभावक

बाढड़ा। उमरवास माध्यमिक विद्यालय में पोलियो उन्मूलन अभियान के तहत बच्चों को पिलाई गई दो बूंद जिंदगी की राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन अभियान के अंतर्गत उमरवास माध्यमिक विद्यालय में ० से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद जीवनरक्षक दवा पिलाई गई।

इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्चों को दवा पिलाने के साथ-साथ अभिभावकों को भी पोलियो से बचाव के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर फार्मेसी अधिकारी रमेश रोहिल्ला काकड़ोली ने बताया कि पोलियो एक गंभीर एवं स्थायी विकलांगता का कारण बनने वाली बीमारी है, लेकिन समय पर पोलियो की खुराक देकर इससे पूरी तरह बचाव किया जा सकता है।

रविवार दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट बदली

बहल में 25 एमएम बारिश, भिवानी में बूंदाबांदी से बढ़ी उमस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी/बहल

रविवार दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट बदली। भिवानी में हलकी बूंदाबांदी से मौसम सुहावना हो गया। वहीं बहल क्षेत्र में रविवार दोपहर बाद करीब 25 एमएम बारिश होने से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली। वहीं किसानों के चेहरों पर भी खुशी लौट आई। इस बारिश से क्षेत्र में कपास, बाजरा, मूंग और ग्वार की फसलों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। दूसरी तरफ बहल कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई।

हालांकि बारिश थमने के एक घंटे बाद पानी की निकासी हो गई,लेकिन एक घंटे तक लोगों को पानी से ही होकर गुजरना पड़ा। रविवार दिन में उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल थे। पर करीब चार बजे अचानक से मौसम का मिजाज बदल गया। पहले तेज बौछारें आई और बाद में मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के चलते कस्बे के मुख्य बाजार और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। हालांकि किसानों ने इसे खेती के लिए बेहद लाभकारी बताया। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से कपास की बढ़वार अच्छी होगी, जबकि बाजरा, मूंग और ग्वार की बुवाई तथा अंकुरण के लिए भी यह वर्षा काफी फायदेमंद साबित होगी। इससे खेतों में नमी बनी रहेगी और सिंचाई की आवश्यकता भी कम होगी।

बहल। जमा बारिश के पानी से गुजरते वाहन। फोटो: हरिभूमि

लोगों को उमस से राहत

बारिश से पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली तथा तापमान में गिरावट दर्ज की गई। वहीं किसान पवन, सज्जन, महेंद्र ने इस बारिश को खरीफ फसलों की बुवाई के लिए लाभदायक बताया। मौसम विभाग ने पहले ही 28 जून से हरियाणा के कई हिस्सों में मौसम बदलने और बारिश की संभावना जताई थी। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह संतुलित बारिश होती रही तो खरीफ फसलों के उत्पादन में अच्छी बढ़ोतरी की संभावना है।